Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्।।

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	" **Anuvad lekhan ki report ”**	
Academic Session	2024-25	
Organizing Department/ Committee	Major HLT (VSC I Year II SEM)	
Total Number of Students Participated in the Project	19	
Brief Report	The Project entitled - " **Anuvad lekhan ki report** " undertaken by the Department of Hindi during the session of 2024-25 under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total 10 students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.	
Criterion :1	Metric no-1.3.3	
Signature of Co-Ordinator P. Dabli Dr. Yugeshari Dabli	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator -IQAC Coordinator (Dr Mugdha Deshpande)	Signature of & Stamp of Principal Principal (Prof Dr Sujata Chakravorty)

Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्॥

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित

(Regd. under Societies Act. XXI)

जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Students Information

S.N.	Name of Student	Program	Class
01.	Siya Dinesh Bhairam	B. A	I year
02.	Kiran Dashrath Bawane	B. A	I year
03.	Sharda Churaman Dhurve	B. A	I year
O4.	Ayesha Fatma Karamat Ali Mansoori	B. A	I year
05.	Ekra Akram Kha	B. A	I year
06.	Payal Ghosh	B. A	I year
07.	Prachi Shiva Uikey	B. A	I year
08.	Khushboo Chandu Chouohari	B. A	I year
09.	Roshni Chandanlal Sonwane	B. A	I year
10.	Simranjeet Kaus Sountre	B. A	I year
11.	Saloni M. Kulmethe	B. A	I year
12.	Disha P. Tembhare	B. A	I year
13.	Nandini S. Dongre	B. A	I year
14.	Gunjan P. Gajbhiye	B. A	I year
15.	Fatehunnish M. Haziz	B. A	I year
16.	Saloni gendlal sahare	B. A	I year
17.	Nirali Sandeep Kontangale	B. A	I year
18.	Laxmi Sudhakar Awasarer	B. A	I year
19.	Alshifa Shehiad Khan	B. A	I year

Front Page of Project

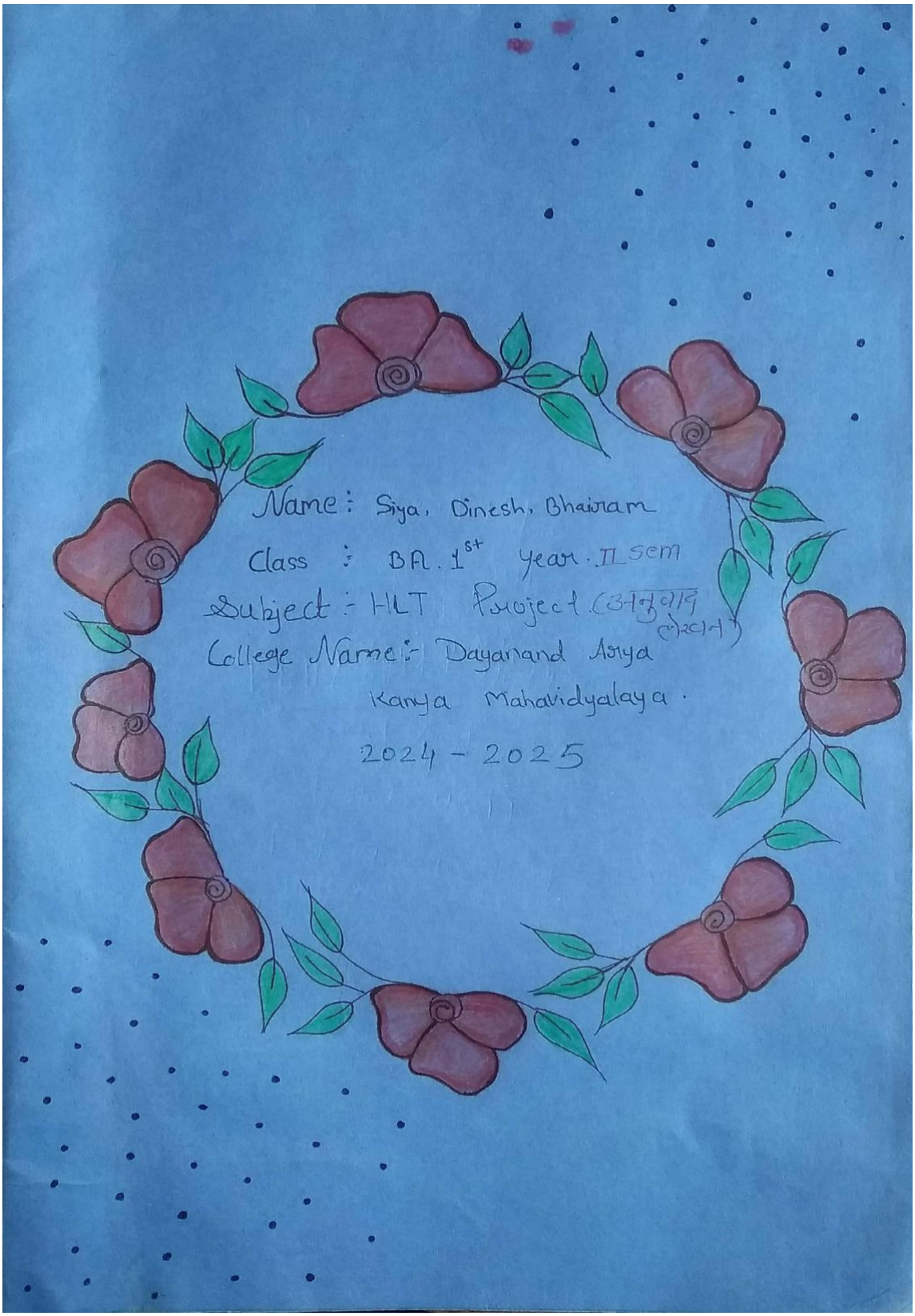

ARYA VIDYA SABHA'S

DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA

Jaripatka, Nagpur.

'Hindi project'

Organised By

Department of project

CERTIFICATE

This is to certify that project work in the subject Major HLT (VSC II Sem) entitles HLT : Anuvad lekhan ki reporthsa been successfully completed by ku. Siya Dinesh Bhairam of B.A I Year during the Academic session 2024-25 Hence the certificate is awarded to her.

P. Dabli

Co-Ordinator
Dr. -Yugeshwari Dabli
Dept. of Hindi

Sujata

Principal
Dr. Sujata Chakravorty
DAKM, Nagpur

Project Copy

Page No. Date / /20

(VSC-2)

अनुवाद लेखन

अ.क्र.	अनुक्रमणिका घटक के नाम	पृष्ठ क्र.
1	प्रस्तावना	1
2	विषय का चयन	2
3	उद्देश्य / महत्त्व	3
4	अभ्यास पद्धति	4
5	निरीक्षण / विश्लेषण	5
6	निष्कर्ष	6

ATLAS

प्रस्तावना

अनुवाद जिसे translation भी कहते है एक भाषा में दूसरी भाषा में अर्थ को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया है, जिसमें मूल पाठ के अर्थ, शैली, संदर्भ को यथासंभव बनाए रखा जाता है.

अनुवाद की प्रस्तावना (Introduction to Translation)

अनुवाद की परिभाषा

अनुवाद एक भाषा से दूसरी भाषा में अर्थ, भाव, और संदेश को सटिक रूप से व्यक्त करने की कला है. अनुवाद की आवश्यकता विभिन्न भाषाओं के बीच संचार, ज्ञान और संस्कृति के आदान-प्रदान के लिए होती है. अनुवाद के कई प्रकार होते हैं, जैसे साहित्यिक अनुवाद, तकनीकी अनुवाद, कानूनी अनुवाद आदि. अनुवाद की प्रक्रिया में स्रोत भाषा (source language) के पाठ का विश्लेषण, अर्थ की समझ और फिर लक्ष्य भाषा (target language) में अनुवाद शामिल होता है. अनुवाद के कई सिद्धांत हैं, जैसे कि 'समान अर्थ सिद्धांत', शैली सिद्धांत, और 'सांस्कृतिक संदर्भ सिद्धांत'.

विषय का चयन

अनुवाद में विषय का चयन, यानी अनुवाद के लिए विषय वस्तु का चुनाव, एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो अनुवादक के लिए कई पहलुओं पर निर्भर करती है, जैसे कि विषय की प्रासंगिकता अनुवादक की विशेषज्ञता और लक्ष्य दर्शकों की आवश्यकताएं। यहां अनुवाद में विषय चयन के कुछ महत्वपूर्ण पहलू दिए गए हैं। अनुवादक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह जिस विषय का अनुवाद कर रहा है, वह प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है, ताकि अनुवाद का उद्देश्य पूरा हो सके। अनुवादक को उस विषय के बारे में अच्छी जानकारी होनी चाहिए जिसका वह अनुवाद कर रहा है, ताकि वह सटीक और अर्थपूर्ण अनुवाद कर सके।

पाठ की प्रकृति:

पाठ का प्रकार (जैसे, साहित्यिक, तकनीकी, या कानूनी), अनुवादक के लिए विषय के चयन को प्रभावित करता है

लक्ष्य भाषा के पाठकों की जरूरतें:

अनुवादक को यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि लक्ष्य भाषा के पाठकों को किस प्रकार के विषय में रुचि है.

Page No.

Date / /20

उद्देश्य / महत्व

अनुवाद का मुख्य उद्देश्य एक भाषा से दूसरी भाषा में सटीक, स्पष्ट और पठनीय रूप से जानकारी या संदेश को स्थानांतरित करना है, जिससे विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं के लोग एक-दूसरे को समझ सकें। यहां अनुवाद के उद्देश्यों के बारे में अधिक जानकारी दी गई है:

सटीकता (Accuracy):

अनुवाद में मूल पाठ के अर्थ को यथासंभव सटीक रूप से बनाए रखना महत्वपूर्ण है.

स्पष्टता (Clarity):

अनुवाद में भाषा का प्रयोग स्पष्ट और सहज होना चाहिए ताकि पाठक आसानी से समझ सके.

पठनीयता (Readability):

अनुवाद लक्ष्य भाषा में पठनीय और स्वाभाविक लगना चाहिए.

स्थानीयकरण (Localization):

अनुवाद को लक्ष्य संस्कृति और संदर्भ के अनुसार

अभ्यास पद्धति

अनुवाद केवल शब्दों का सीधा प्रतिस्थापन नहीं है, बल्कि यह एक भाषा में व्यक्त अर्थ को दूसरी भाषा में सटीक और प्रभावी ढंग से व्यक्त करने की प्रक्रिया है।

मूल अर्थ का संरक्षण:-

अनुवादक का लक्ष्य मूल पाठ के अर्थ, आशय और शैली को यथासंभव बनाए रखना होता है

भाषा और संस्कृति की समझ:-

अनुवाद एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें स्रोत और लक्ष्य भाषा दोनों की गहरी समझ के साथ-साथ सांस्कृतिक बारीकियों के बारे में जागरूकता की आवश्यकता होती है।

अनुवाद के प्रकार:-

अनुवाद के कई प्रकार होते हैं, जैसे साहित्यिक अनुवाद तकनीकी अनुवाद, कानूनी अनुवाद, आदि।

अनुवाद की भूमिका:-

अनुवाद आज के बहुसांस्कृतिक और बहुभाषिक दुनिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो शिक्षा, व्यापार, प्रशासन, जनसंचार और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है।

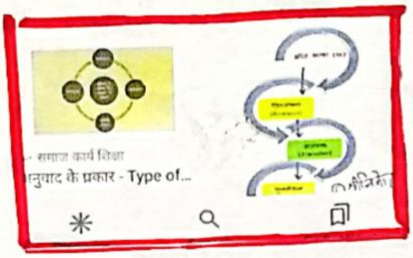
- समाज कार्य शिक्षा
नुवाद के प्रकार - Type of...

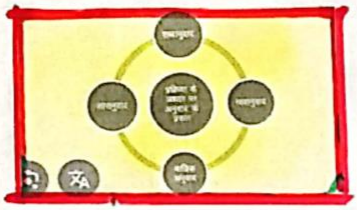

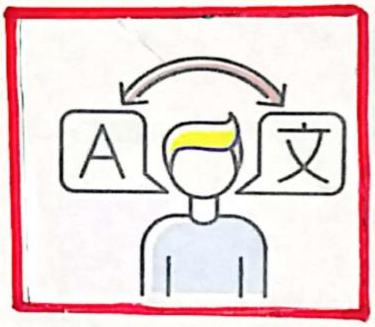
A
文

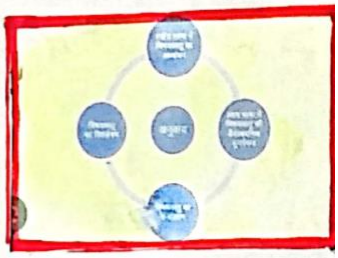

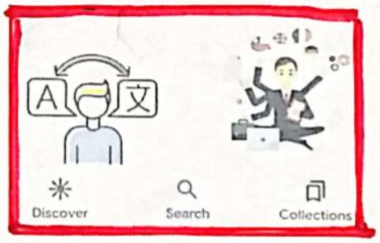
A
文
Discover
Search
Collections

निरीक्षण / विश्लेषण

- कार्यालयी हिन्दी में संयम, गरिमा, गांभीर्य और निर्वैयक्तिकता होनी चाहिए.

कार्यालयी अनुवाद से जुड़े कुछ और तथ्य ⟹

- केंद्रीय कार्यालयों से 'क' श्रेणी के राज्यों को भेजे जाने वाले सभी पत्र हिन्दी में देवनागरी लिपि में भेजे जाते हैं.
- 'ख' श्रेणी के राज्यों से पत्र व्यवहार हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषाओं में किया जा सकता है.
- 'ग' श्रेणी के राज्यों से पत्र व्यवहार अंग्रेजी में किया जाता है. सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद, जिसे साहित्यिक अनुवाद भी कहते हैं। मूल भाषा में लिखे गए पाठ को एक नए भाषा में रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत करना है, ताकि पाठकों को मूल कृति के भाव और कलात्मकता का अनुभव हो सके.

यहाँ सृजनात्मक साहित्य के अनुवाद के बारे में कुछ महत्त्वपूर्ण बातें दी गई हैं.

साहित्यिक अनुवाद का उद्देश्य केवल शब्दों का अनुवाद करना नहीं होता, बल्कि मूल कृति के अर्थ, शैली और कलात्मकता को भी नए भाषा में प्रस्तुत करना होता है.

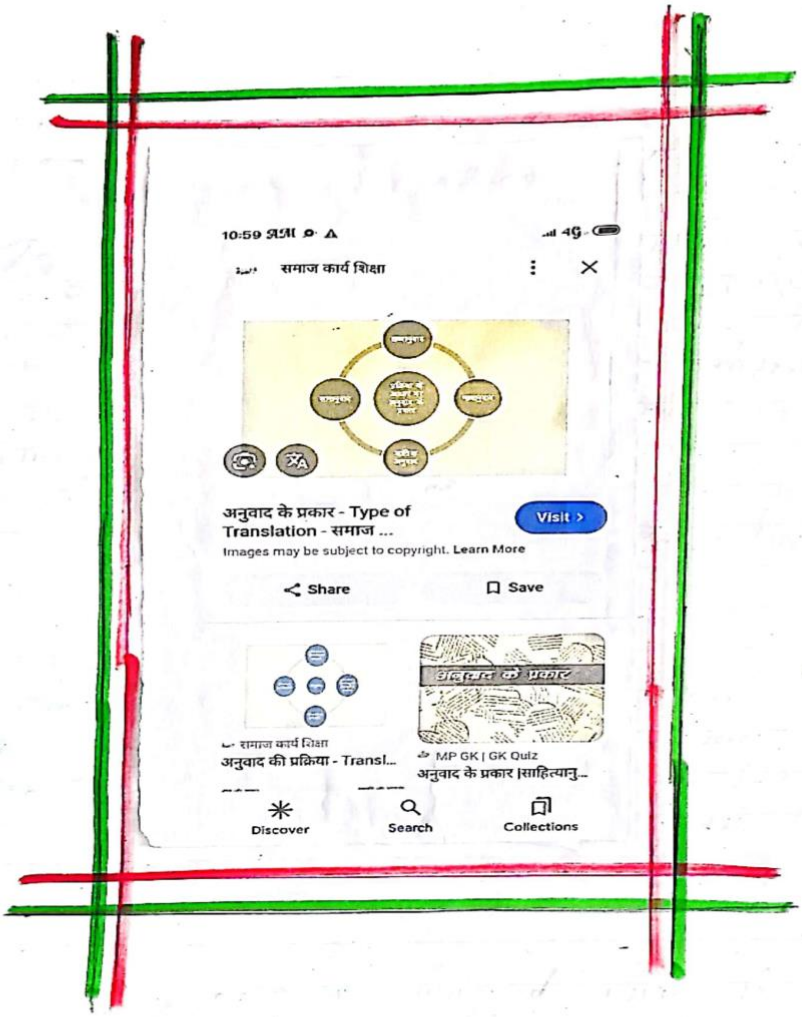
10:59
4G
समाज कार्य शिक्षा
अनुवाद के प्रकार - Type of Translation - समाज ...
Visit
Images may be subject to copyright. Learn More
Share
Save
समाज कार्य शिक्षा
अनुवाद की प्रक्रिया - Transl...
अनुवाद के प्रकार
MP GK | GK Quiz
अनुवाद के प्रकार |साहित्यानु...
Discover
Search
Collections

निष्कर्ष

साहित्यिक अनुवाद में अनुवादक को अपनी रचनात्मकता का प्रयोग करना पड़ता है ताकि वह मूल कृति के भाव को नए भाषा में प्रभावी ढंग से व्यक्त कर सके.

भाषा की समझ =>

अनुवादक को मूल भाषा और लक्ष्य भाषा दोनों की अच्छी समझ होनी चाहिए ताकि वह अनुवाद के दौरान भाषा की बारीकियों को ध्यान में रख सके.

सांस्कृतिक संदर्भ =>

अनुवादक को मूल कृति के सांस्कृतिक संदर्भ को भी ध्यान में रखना चाहिए ताकि वह अनुवाद के के दौरान सांस्कृतिक गलतियों से बच सके.

सांस्कृतिक संदर्भ =>

अनुवादक को मूल कृति के सांस्कृतिक संदर्भ को भी ध्यान में रखना चाहिए ताकि वह अनुवाद के दौरान सांस्कृतिक गलतियों से बच सके.